

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 20 October 2026

सविता वाघ : सरकारी सेवा में कर्तव्यनिष्ठा और कला से सपनों को रंग देने का प्रेरणादायक सफर

Sanket Morankar

Published on 19 Oct 2026



सरकारी जिम्मेदारियों के साथ कला के प्रति समर्पण

सरकारी सेवा की जिम्मेदारियों को निभाते हुए अपनी कलात्मक रुचि को निरंतर आगे बढ़ाने वाली श्रीमती सविता साहेबराव वाघ, जिन्हें सौ. सविता दीपक ठाकूर के नाम से भी जाना जाता है, का सफर प्रेरणा देता है। पालघर जिले के मृदा एवं जल संरक्षण विभाग के सूर्यानगर उपविभाग में डिज़ाइनर (ट्रेसर) के रूप में कार्यरत सविता वाघ ने तकनीकी कामकाज के साथ चित्रकला के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाने का प्रयास किया है।

उनकी यात्रा इस बात का उदाहरण है कि पेशेवर जिम्मेदारियों के साथ अपनी रुचि और रचनात्मकता को भी स्थान दिया जा सकता है। तकनीकी कार्यों में सटीकता और नियोजन की आवश्यकता होती है, जबकि चित्रकला में कल्पनाशक्ति, धैर्य और बारीकियों को समझने की क्षमता महत्वपूर्ण होती है। सविता वाघ अपने काम और कला के माध्यम से इन दोनों पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ रही हैं।

21 वर्ष की उम्र में शुरू हुई सरकारी सेवा

सविता वाघ ने 23 जुलाई 2012 को, महज 21 वर्ष की उम्र में, सरकारी सेवा की शुरुआत की। उनका शुरुआती कार्यकाल पारोला, जलगांव स्थित उपविभागीय कार्यालय से शुरू हुआ। इसके बाद उनकी सेवायात्रा जलगांव और नाशिक के कार्यालयों से आगे बढ़ते हुए पालघर तक पहुंची।

अपने कार्यक्षेत्र में वे बांधों के नक्शों की ड्राइंग, रंगों से संबंधित कार्यों और विभिन्न तकनीकी जिम्मेदारियों से जुड़ी रही हैं। ऐसे कार्यों में माप, रेखाओं, विवरणों और नियोजन की सटीकता का विशेष महत्व होता है। सरकारी सेवा में मिले अनुभव ने उनके तकनीकी कौशल को विकसित करने में भूमिका निभाई।

काम की व्यस्तता के बीच भी उन्होंने अपनी कलात्मक रुचि को बनाए रखा। उनके लिए कला केवल समय बिताने का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने और नए कौशल सीखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पेंसिल पोर्ट्रेट से चेहरे के भावों को उकेरने की कोशिश

सविता वाघ की विशेष रुचि पेंसिल पोर्ट्रेट बनाने में है। रेखाओं, छाया और प्रकाश के संतुलन के माध्यम से किसी व्यक्ति के चेहरे की विशेषताओं और भावों को कागज पर उतारना इस कला का महत्वपूर्ण पक्ष है। किसी चेहरे की समानता और भावों को उभारने के लिए बारीकी से निरीक्षण, धैर्य और निरंतर अभ्यास की आवश्यकता होती है।

पेंसिल पोर्ट्रेट के अलावा वे मंडला आर्ट, रंगोली, वॉल पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग और वारली चित्रकला जैसे विभिन्न कला रूपों में भी रुचि रखती हैं। इन कलाओं की तकनीक और शैली अलग-अलग है। मंडला आर्ट में आकृतियों और पैटर्न का संतुलन महत्वपूर्ण होता है, जबकि वारली चित्रकला अपनी पारंपरिक शैली और सरल आकृतियों के लिए जानी जाती है।

उन्होंने ड्रॉइंग एंड पेंटिंग में हायर आर्ट परीक्षा यानी डिप्लोमा भी पूरा किया है। इससे कला के प्रति उनकी रुचि को औपचारिक अध्ययन और प्रशिक्षण का आधार मिला।

कला प्रदर्शनियों और सम्मानों से मिली पहचान

सविता वाघ की कलाकृतियों ने विभिन्न कला प्रतियोगिताओं और प्रदर्शनियों में भाग लिया है। उनके सफर में ऑल इंडिया राष्ट्रीय स्तर की कला प्रतियोगिता 2023, आर्ट एवेन्यू की प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता और श्वेतआर्ट तथा क्रिएशन से जुड़े कला आयोजनों का उल्लेख मिलता है।

मणिकर्णिका आर्ट गैलरी की ओर से उन्हें 'बेस्ट आर्टिस्ट' और 'बेस्ट फोटोग्राफर' सम्मान मिलने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा, नाशिक में आयोजित 'नवदुर्गा नारी सम्मान 2026' के माध्यम से भी उनका सम्मान किए जाने का उल्लेख है।

उनकी कला को एक विशेष पहचान तब मिली, जब उन्होंने विधायक बच्चू कडू को अपना बनाया हुआ पेंसिल पोर्ट्रेट भेंट किया। इस पहल के बाद उनकी कलाकृति की ओर विशेष ध्यान आकर्षित हुआ। ऐसे अनुभव किसी कलाकार को अपने काम को और बेहतर बनाने तथा अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।

परिवार और मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान

किसी भी व्यक्ति की व्यावसायिक और रचनात्मक यात्रा में परिवार का सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। सविता वाघ के सफर में उनके माता-पिता, भाई-बहनों और पति दीपक ठाकूर का सहयोग अहम रहा है।

इसके साथ ही उन्हें हरिभाऊ गिते, अंकिता वाघमारे और संजय कचरे जैसे वरिष्ठों का मार्गदर्शन भी मिला है। परिवार का प्रोत्साहन और अनुभवी लोगों से मिलने वाली सलाह व्यक्ति को अपनी क्षमताओं पर भरोसा बनाए रखने और नए अवसरों की ओर कदम बढ़ाने में मदद कर सकती है।

कला के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का लक्ष्य

सविता वाघ का उद्देश्य सरकारी सेवा के अनुभव और कला की रचनात्मक शक्ति को समाजोपयोगी कार्यों से जोड़ना है। वे चाहती हैं कि उन्हें सरकारी कार्यालयों, जिला परिषद के स्कूलों, आंगनवाड़ियों और बांध क्षेत्रों में भित्तिचित्र बनाने, जनजागरूकता से जुड़े चित्र तैयार करने तथा सरकारी योजनाओं को कलात्मक तरीके से प्रस्तुत करने के अवसर मिलें।

सार्वजनिक स्थानों पर बनाए गए चित्र और भित्तिचित्र जटिल जानकारी को सरल तथा आकर्षक रूप में लोगों तक पहुंचाने में सहायक हो सकते हैं। विशेष रूप से शिक्षा, स्वच्छता, जल संरक्षण और सरकारी योजनाओं से जुड़े संदेशों को दृश्य माध्यम से प्रस्तुत करने पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया जा सकता है।

उनकी यह सोच कला को केवल व्यक्तिगत अभिव्यक्ति तक सीमित न रखकर सामाजिक उपयोग से जोड़ने की इच्छा को दर्शाती है। यदि उन्हें ऐसे अवसर मिलते हैं, तो उनके तकनीकी अनुभव और कलात्मक कौशल का उपयोग व्यापक स्तर पर किया जा सकता है।

कर्तव्य और रचनात्मकता का संतुलित सफर

सविता वाघ की कहानी सरकारी सेवा में जिम्मेदारी निभाने और व्यक्तिगत रुचि को विकसित करते रहने के संतुलन को सामने लाती है। एक ओर तकनीकी कार्यों में सटीकता और अनुशासन है, तो दूसरी ओर पेंसिल पोर्ट्रेट और विभिन्न चित्रकला शैलियों के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति की संभावनाएं हैं।

उनकी यात्रा यह संदेश देती है कि सीखने की इच्छा, निरंतर अभ्यास और परिवार व मार्गदर्शकों का सहयोग व्यक्ति को अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी क्षमता विकसित करने का अवसर दे सकता है। सरकारी सेवा के अनुभव को कला के माध्यम से समाज के हित में उपयोग करने का उनका लक्ष्य उनकी यात्रा का महत्वपूर्ण पहलू है।

संपर्क विवरण

मोबाइल : 9404558986

ईमेल : savi21wagh@gmail.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.